>

Title : Need to provide road and rail connectivity linking Nalanda, Gaya, Varanasi & Patna for giving boost to Buddhist tourist circuit.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): महोदय, नालन्दा, गया, वाराणसी, पटना जो कि बौद्ध परिपथ के अंतर्गत आते हैं, को रेल और सड़क से वृत्ताकार जोड़ने से पर्यटन (धार्मिक) की संभवनायें काफी बढ़ जायेगीं । नालन्दा जिले का नालन्दा, कुण्डलपुर, पावापुरी, राजगीर, बोधगया, सारनाथ, वाराणसी, पटना को रेल और सड़क (एन एच) के वृत्ताकार रूप में जोड़े जाने की जरूरत है जो कि अभी नहीं है । नालन्दा का प्राचीन नालन्दा विश्विद्यालय जहां कि बौद्ध दर्शन और जीवन दर्शन की पढ़ाई होती थी अभी 16 ईएएस देशों के द्वारा फिर से पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयास हो रहे हैं और ये प्रयास हैं कि यहां फिर से बौद्ध धर्म का धार्मिक दर्शन पढ़ाया जायेगा । ये भी बौद्ध धर्म पर्यटन में एक महल का पत्थर साबित होगा । अभी नालन्दा में 6-7 फरवरी, 2010 को बुद्ध कॉंफ्रेंस भी आयोजित होगी जिससे यहां पर बौद्ध धर्म का पर्यटन बढ़ाया जायेगा ।

मैं इसके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि इस क्षेत्र में पर्यटन की पूरी संभावनाओं को देखते हुए यहां पर 16 ईएएस देशों की सहायता से बौद्ध धर्म के अतिआधुनिक सुविधाओं से पूर्ण पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाये ताकि सारे विश्व के बौद्ध धर्मावलम्बी देशों का आकर्षण यहां पर बढ़े और भारत को विदेशी राजस्व की आमदनी हो ।